भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2755
19/12/2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

भूकंप संभावित क्षेत्रों में तैयारी की आवश्यकता

2755. डा. सिकंदर कुमार:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या वर्ष 1905 में कांगड़ा क्षेत्र में आया भूकंप, भूकंप संभावित क्षेत्रों में तैयारी की आवश्यकता का एक सशक्त अनुस्मारक है;

(ख) क्या सरकार 100 और भूकंपीय वेधशालांए शुरू करने की योजना बना रही है और ऐसी वेधशालाएं कब तक कार्यशील होने की संभावना है;

(ग) हिमाचल प्रदेश में आज की तिथि तक स्थापित भूकंपीय केंद्रों (वेधशालाओं) की कुल संख्या कितनी है; और

(घ) क्या सरकार ने भूकपों का अध्ययन करने के लिए हिमाचल प्रदेश में और अधिक भूंकपीय वेधशालाएं स्थापित करने के लिए कोई कदम उठाए हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हां। 1905 का कांगड़ा भूकंप, भारत के इतिहास में सबसे विनाशकारी भूकंपों में से एक है, जो हिमाचल प्रदेश सहित हिमालयी बेल्ट के क्षेत्रों द्वारा सामना किए जाने वाले भूकंपीय जोखिमों की याद दिलाता है। भूकंप से व्यापक विनाश, जानमाल की हानि हुई और क्षेत्र पर एक स्थायी प्रभाव पड़ा। इसने विशेष रूप से बेहतर बुनियादी ढांचे, आपदा प्रबंधन रणनीतियों और सार्वजनिक जागरूकता के माध्यम से भूकंप-प्रवण क्षेत्रों में तैयारी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

(ख) जी हां। जल्द ही राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र -पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा भारत के भूकंपीय नेटवर्क में 100 और भूकंपीय वेधशालाएं जोड़ी जाएंगी। आमतौर पर, इस तरह की पहल का उद्देश्य बेहतर भूकंप निगरानी, पूर्व चेतावनी प्रणाली और भूकंपीय गतिविधि पर अनुसंधान करना होता है, लेकिन प्रचालन की समय-सीमा अलग-अलग हो सकती है। वर्तमान में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र 166 स्टेशनों वाले राष्ट्रीय नेटवर्क की मदद से देश भर में भूकंपीय गतिविधि की निगरानी करने वाली नोडल एजेंसी है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र नियमित अध्ययन करता है और भूकंप के आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए भूकंपीय नेटवर्क का रखरखाव करता है और उन्नत तकनीक का उपयोग करके राष्ट्रीय और राज्य स्तर के विभिन्न हितधारकों को यह जानकारी प्रसारित करता है। राष्ट्रीय भूकंपीय नेटवर्क द्वारा पता लगाए गए देश भर में और आसपास के भूकंपों का विवरण राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (seismo.gov.in) की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

(ग) और (घ) हिमाचल प्रदेश में स्थायी भूकंपीय वेधशालाओं की संख्या सात (07) है। इन वेधशालाओं और इस क्षेत्र तथा देश भर में आए भूकंपों का विवरण भूकंप विज्ञान केंद्र की वेबसाइट (seismo.gov.in) पर उपलब्ध है। क्षेत्र में बढ़ती भूकंपीय गतिविधियों को देखते हुए, सरकार हिमाचल प्रदेश में भी भूकंप की तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए वेधशालाओं के नेटवर्क का विस्तार करने के प्रयास जारी रखेगी।

****